प्रदेश की हलचल
FRONT PAGE
भोपाल, गुरुवार
28 मई 2015
अंक - 197

मध्यप्रदेश में शीघ्र खुलेगा पहला वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन केन्द्र

डिग्री नहीं रोजगारमूलक होगी शिक्षा

अब शिक्षा अध्ययन डिग्री, डिप्लोमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैकल्पिक शिक्षा के माध्यम से युवाओं को ऐसी शिक्षा दी जाएगी, जिससे उन्हें आसानी से रोजगार मिल सके। इसके लिए मप्र सरकार अगले शैक्षणिक सत्र से सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान विश्वविद्यालय में वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन केन्द्र शुरू करने जा रही है। इसके लिए वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन से जुड़े विशेषज्ञों का अगले माह यहां राष्ट्रीय स्तर पर तीन दिवसीय सेमीनार आयोजित किया जा रहा है।

रामकुमार तिवारी

भोपाल। सूत्रों के मुताबिक सांची विश्वविद्यालय में 18 से 20 जून तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार में देश-विदेश के करीब एक सौ शिक्षाविद, दार्शनिक और शोधकर्ता भाग लेंगे। इसमें शिक्षा की वैकल्पिक पद्धतियों पर नए दृष्टिकोण से सभी अपने-अपने पक्ष रखेंगे। इससे शिक्षा प्रणाली में सुधार लाया जा सके। सेमीनार में वैकल्पिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले इन शोधकर्ताओं के अनुभव शेयर किए जाएंगे। आने वाले सुझावों पर ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। जिसके आधार पर वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन केन्द्र का पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ऐसी शिक्षा दी जाए, जिससे उन्हें डिग्री, डिप्लोमा लेने के बाद रोजगार के लिए भटकना न पड़े। वैकल्पिक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को क्या पढ़ाया जाए, कैस पढ़ाया जाए जिससे शिक्षा का ज्ञान मिले, उनकी समक्ष बढ़े और शिक्षा अध्ययन के बाद उन्हें रोजगार मिल सके। इसके लिए सिलेबस भी तैयार कराया जाएगा। सांची बौद्ध विश्व विद्यालय में वर्तमान में कई पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इनमें विभिन्न धर्म, भाषा से संबंधित पाठ्यक्रमों में विदेशी लोग भी अध्यापन कर रहे हैं। निकट भविष्य में कुछ और नए पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जाने हैं, जिनकी तैयारी चल रही है।

होगा पहला शिक्षा केन्द्र

मप्र सरकार द्वारा सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में अगले शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ किए जा रहे वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन केन्द्र प्रदेश के किसी विश्वविद्यालय में प्रारंभ होने वाला पहला केन्द्र होगा। सेमीनार में फैलोशिप, साइकोलाजी, समझ, अनुभव आदि पर आने वाले सुझावों के आधार पर सिलेबस तैयार करने के साथ ही वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन केन्द्र का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। जिसके आधार पर सिलेबस से लेकर स्टाफ तथा अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। वैकल्पिक अध्ययन केन्द्र का संचालन सांची विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किया जाएगा।

शिक्षकों को भी दिया जाएगा प्रशिक्षण

वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन केन्द्र खोलने के बाद यहां प्रदेश के शासकीय और अशासकीय स्कूल, कालेजों के शिक्षकों को भी वैकल्पिक शिक्षा को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि स्कूल, कालेजों में भी वैकल्पिक शिक्षा के तहत अध्यापन कराया जा सके। वर्तमान शिक्षा पद्धति सिर्फ डिग्री और डिप्लोमा तक सीमित हो गई है। डिग्री लेने के बाद युवाओं को रोजगार के लाले पड़ रहे हैं। जबकि वैकल्पिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से ऐसा अध्यापन कराया जाएगा ताकि युवाओं को सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार मिल सके। इसी को लेकर वैकल्पिक शिक्षा पद्धति पर जोर दिया जा रहा है।

स्वदेश
इंदौर, शनिवार
14 मई, 2016

अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ : दूसरे दिन कृषि एवं कुटीर कुंभ में वक्ताओं ने रखे विचार

हरित क्रांति के कदमों की कठोरता से समीक्षा हो

निनोरा (उज्जैन) 13 मई (सिंहस्थ टीम)। सिंहस्थ महाकुंभ 2016 के सार्वभौम अमृत-संदेश के निमित्त आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ के दूसरे दिन 'कृषि एवं कुटीर कुंभ' में वक्ताओं ने बेबाक विचार रखे। संघ के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने जहां हरित क्रांति के कदमों की कठोरता से समीक्षा के साथ ही यांत्रिकीय खेती से परावलंबन बढ़ने को लेकर चेताया वहीं योग गुरु रामदेव ने आर्थिक दरिद्रता से भी घातक वैचारिक दरिद्रता को बताया और हाथों से निर्मित वस्तुओं को उपयोग कर फैशन में लाने की बात कही, जबकि पर्यावरणविद् सुश्री वंदना शिवा ने रासायनिक खेती को हिंसक खेती करार दिया। वहीं श्री मनीष कुमार ने गांव से किसानों के पलायन को सबसे बड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया। जबकि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने म.प्र. को कृषि खेती एवं जैविक खेती में नंबर वन बनाने का विश्वास दिलाया।

विचार महाकुंभ स्थल पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते भैयाजी और बाबा रामदेव।

- कृषि, रोटी और स्वास्थ्य को जोड़कर देखना होगा-वंदना शिवा
- प्राचीन एवं वर्तमान के संतुलन से ही होगा सार्थक विकास -भैयाजी जोशी
- आर्थिक दरिद्रता से भी खतरनाक है वैचारिक दरिद्रता-योग गुरु रामदेव
- ऋषि खेती और जैविक खेती में प्रदेश नंबर वन बनेगा-मुख्यमंत्री चौहान
- युवा आवश्यकता आधारित कार्य करें सफलता मिलेगी-मनीष कुमार
- अर्थव्यवस्था के लिए शून्य बजट खेती जरूरी-अनिल माधव दवे

यांत्रिकीय खेती एक बार फिर परावलंबन की ओर ले जाएगी

कृषि एवं कुटीर कुंभ में प्रखर वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह **श्री सुरेश जोशी 'भैयाजी'** ने कहा कि प्रकृति से अधिक से अधिक लेने की सोच के कारण ही असंतुलन हुआ है। हमें अपने मूल की ओर लौटना ही होगा। भैयाजी ने चेताया कि हम यांत्रिकीय खेती के पूर्णत: विरोधी नहीं है, लेकिन यह तकनीक भी एक बार फिर परावलंबन की ओर ले जाएगी। क्योंकि हाथों को काम मशीनों के कारण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिंसक है रासायनिक खेती

मशहूर पर्यावरणविद तथा वैज्ञानिक सुश्री वंदना शिवा ने कहा कि विश्व युद्ध में एक्सप्लोसिव बनाने वाले लोग अब कृषि के लिए रसायन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के पहले नदियां सूखती नहीं थी। मशहूर पर्यावरणविद तथा वैज्ञानिक सुश्री शिवा ने कहा कि रासायनिक खेती हिंसा की खेती है। सुश्री शिवा ने अहिंसक खेती पर जोर देते हुए कहा कि कृषि, रोटी और स्वास्थ्य को साथ में जोड़कर देखना होगा। नब्बे प्रतिशत अनाज बायो-फ्यूल और जानवरों के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिवराज ने वैचारिक दरिद्रता खत्म करने की पहल की

योग गुरु स्वामी श्री रामदेव ने कहा कि हम सब हेंड मेड सामान का उपयोग करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हेंड मेड सामान का ही फैशन होना चाहिए। बुनकरों द्वारा बनाए जाने वाले कपड़ों का उपयोग करेंगे तो लाखों बुनकरों को रोजगार मिलेगा। जींस पहनो, तो वह भी देशी हो। श्री रामदेव ने कहा कि आर्थिक दरिद्रता से भी खतरनाक वैचारिक दरिद्रता हैं। कुंभ के जरिए शिवराज सरकार ने इसी वैचारिक दरिद्रता को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कृषि पर समग्र विचार हो

वरिष्ठ नेत्री श्रीमती जया जेटली ने कहा कि कृषि एवं कुटीर उद्योग का अटूट रिश्ता है। कृषि के उत्पादन में कारीगरों की उपयोगिता किसी से छिपी नहीं है। कृषि की लागत, संभावनाएं और कृषकों की उम्मीदों के बारे में समग्र रूप से विचार होना चाहिए। जेटली ने कहा कि हमने प्रयास करके हाथ से गमछा निर्मित करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित किया और उनके आमदनी डेढ़ सौ फीसदी बढ़ाने का प्रयोग सफल रहा। जरूरत है आमजन एवं महिलाएं हजार रुपए की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)